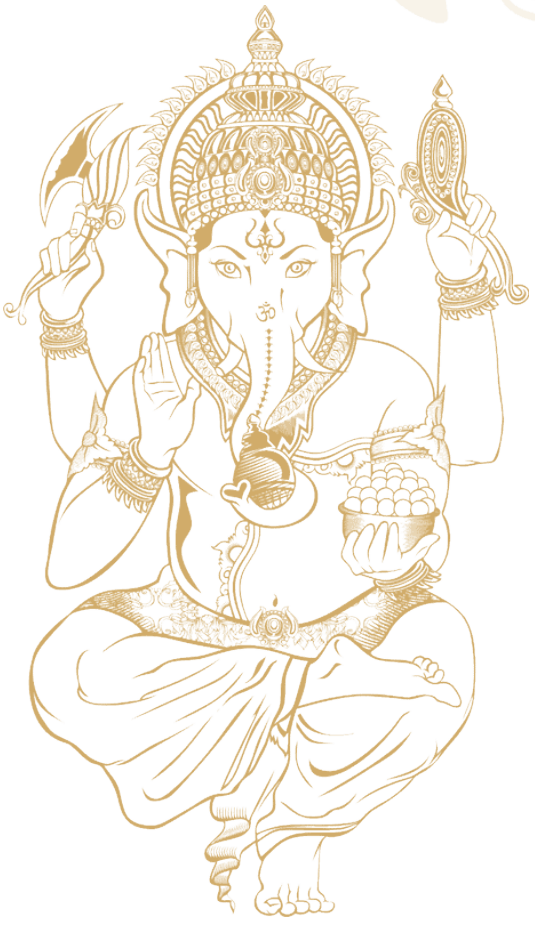

mr.akshay

Ms. Ravin

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119957502

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
25-26/05/1995 :	जन्म तिथि	: 29/12/1995
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 04:20:00 :	जन्म समय	: 18:29:00 घंटे
घटी 55:49:48 :	जन्म समय(घटी)	: 28:47:49 घटी
India :	देश	: India
Belgaum :	स्थान	: Nagpur
15:54:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:10:00 उत्तर
74:36:00 पूर्व :	रेखांश	: 79:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:13:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:00:04 :	सूर्योदय	: 06:49:29
18:57:24 :	सूर्यास्त	: 17:40:36
23:47:43 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 6मा 28दि	12:39:05	मेष	लग्न	मिथु	25:08:26	बुध 9वर्ष 8मा 20दि
सूर्य	10:27:41	वृष	सूर्य	धनु	13:31:51	शुक्र
22/12/2020	02:42:32	मेष	चंद्र	मीन	22:22:31	18/09/2012
23/12/2026	06:19:50	सिंह	मंगल	धनु	28:27:05	18/09/2032
सूर्य 11/04/2021	24:28:19	वृष व	बुध	मक	02:16:42	शुक्र 18/01/2016
चन्द्र 10/10/2021	17:32:50	वृश्चि व	गुरु	धनु	05:07:01	सूर्य 18/01/2017
मंगल 15/02/2022	17:05:37	मेष	शुक्र	मक	15:47:27	चन्द्र 18/09/2018
राहु 10/01/2023	29:33:55	कुंभ	शनि	कुंभ	25:25:52	मंगल 18/11/2019
गुरु 29/10/2023	11:40:08	तुला	राहु	कन्या	29:42:55	राहु 18/11/2022
शनि 10/10/2024	11:40:08	मेष	केतु	मीन	29:42:55	गुरु 19/07/2025
बुध 16/08/2025	06:30:24	मक व	हर्ष	मक	05:24:34	शनि 18/09/2028
केतु 22/12/2025	01:32:58	मक व	नेप	मक	00:47:07	बुध 20/07/2031
शुक्र 23/12/2026	05:17:18	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	08:03:51	केतु 18/09/2032

लग्न-चलित

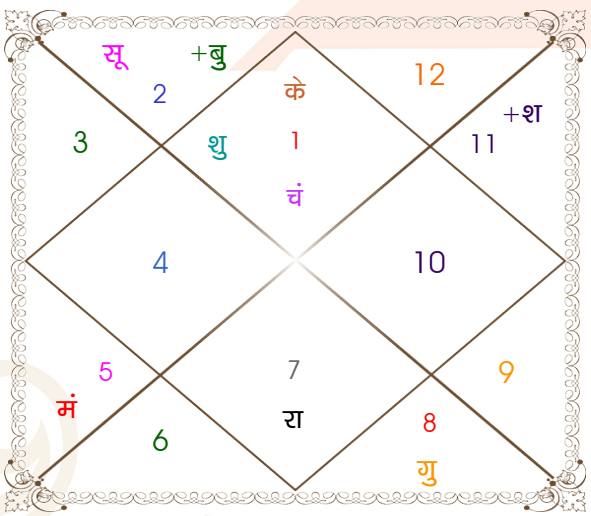

लग्न-चलित

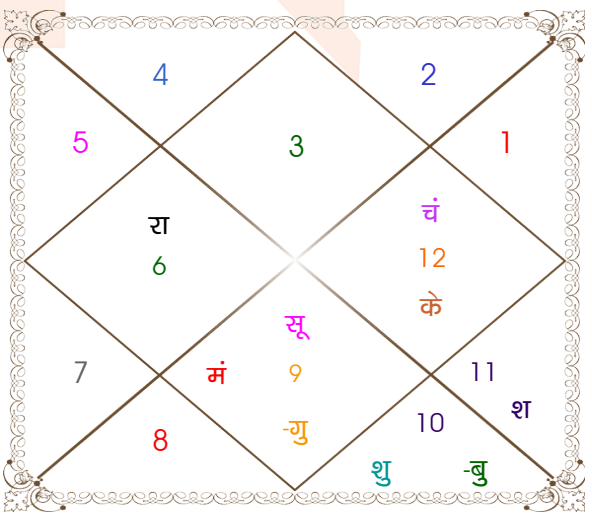

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

उतर्णील का वर्ग सिंह है तथा डेण ट्अपद का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार उतर्णील और डेण ट्अपद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

उतर्णील मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

डेण ट्अपद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डेण ट्अपद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु उतर्णील कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि उतर्णील कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

उतर्णील तथा डेण ंस्अपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।